मानवता का दीप जलाएं

पारूल शर्मा, कक्षा- 9
आर्य कन्या इंटर कॉलेज, रूड़की

इस संसार में मनुष्य का जन्म सिर्फ इसलिए नहीं हुआ कि वह भोग विलास के जीवन को व्यतीत करे, बल्कि उसका जन्म इसलिए हुआ कि वह एक अच्छा इंसान बनकर सबमें इंसानियत का दीप जलाए । इसके लिए हमें सर्वप्रथम दीन-दुखियों की सेवा करनी होगी , उनके कष्ट दूर करने होंगे।

- अशिक्षित लोगों को शिक्षा का ज्ञान दिलवाना होगा ।
- राष्ट्रीयता को जीवन देने के लिए जाति, धर्म के झगड़ों को मिटाना होगा।
- सभी धर्मों के मनुष्यों को एक साथ लेकर राष्ट्र प्रेम की ज्योति जलानी होगी ।
- हमें अपने अधिकारों से पहले अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा ।
- यह तभी संभव हो पायेगा जब हम अपने आचरण, स्वभाव एवं गतिविधियों को सुव्यवस्थित कर लेंगे ।

हमें सर्वप्रथम अपने आचार-विचार संयमित करने हैं, उसके उपरान्त ही हम किसी के प्रति अपने अधिकार का उपयोग कर सकते हैं । राष्ट्र प्रेम किसी धर्म, जाति एवं वर्ग से नहीं, बल्कि राष्ट्रीयता से बढ़ता है । अतः हम सबको सर्वथा यह भुला देना चाहिए कि हमने किस जाति एवं धर्म में जन्म लिया है, बल्कि हमें यह सोचना चाहिए कि हमारा राष्ट्र कौन सा है? और उसके प्रति हमारा क्या दायित्व है । यदि हमारे मन में राष्ट्रीयता की भावना का उदय हो गया है तो निश्चित ही हम मानवता के प्रति सजग हो जाएंगे तथा एक सूत्र में बंधकर सबके साथ चलना सीख जाएंगे ।